

Hindi Mahavidyalaya

(Autonomous and NAAC – Reaccredited)

Nallakunta, Hyderabad – 44

Department of Hindi

Syllabus

Minutes of BOS meetings

2016-17

Modern Language Hindi
(B.A. I year)

HINDI MAHAVIDYALAYA

(Autonomous & NAAC - reaccredited)

Nallakunta, Hyderabad-44

2016-2017

DEPARTMENT OF HINDI
MODERN LANGUAGE HINDI

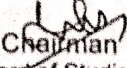
B.A. I Year


SEMESTER-I / PAPER -I


(कहानियाँ, रेखाचित्र और नाटक)

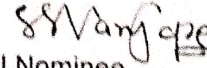
SYLLABUS

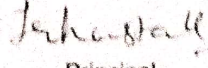
गद्य : पाठ्य पुस्तक	:	गद्य फुलवारी
कार्यकारी संपादक	:	डॉ. रमेश कुमार जैन
कार्यकारी संपादक	:	राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली-6
पाठ का नाम	:	लेखक का नाम
Unit - I		
(कहानियाँ)		
1. औसुओं की होली	:	प्रेमचंद
2. ममता	:	जयशंकर प्रसाद
Unit - II		
3. आतिथ्य	:	यशपाल
4. मवाली	:	मोहन राकेश
Unit - III		
5. चीफ की दावत	:	भीष्म साहनी
6. अकेली	:	मनू भंडारी
7. भाभी	:	महादेवी वर्मा
Unit - IV		
8. आषाढ का एक दिन (संदर्भ सहित व्याख्या)	:	मोहन राकेश
Unit - IV		
9. आषाढ का एक दिन (प्रश्न एवं चरित्र-चित्रण)	:	मोहन राकेश


Chairman
Board of Studies
Dr. Prabhakar Tripathi


Member
Professor Sheela Mishra


Alumni
Dr. Sushama Dwivedi
Lecturer in Hindi
V.V. College


OU Nominee
Professor Shubhada Vanjape


Principal
Smt. Jyoti Hastak
Hindi Mahavidyalaya



HINDI MAHAVIDYALAYA

(Autonomous & NAAC - recredited)

Nallakunta, Hyderabad-44

2016-2017

DEPARTMENT OF HINDI

B.A. I Year

SEMESTER-I / Paper -I

Subject : Modern Language Hindi

Model Question Paper

Time : 3 hr.

Max. Marks : 80

- I. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए: (10X2=20M)
- 1) चंपा कौन है और वह अपने पति से पुरस्कार स्वरूप क्या मांगती है ?
 - 2) ममता के पिता का नाम लिखते हुए बताइये कि उनको ममता की चिंता क्यों थी?
 - 3) पहाड़ी परिवार ने रामशरण की सेवा किस प्रकार की थी?
 - 4) 'भाभी' रेखाचित्र के आधार पर भारतीय विधवाओं के जीवन पर अपने विचार लिखिए।
 - 5) शामनाथ अपने अधिकारी की दृष्टि से माँ को क्यों छिपाये रखना चाहता था?
 - 6) अंबिका कालिदास पर क्यों विश्वास नहीं करती थी ?
 - 7) राजकवि बनने के पश्चात् 'कालिदास' में क्या-क्या परिवर्तन आये थे?
 - 8) 'मल्लिका' के चरित्र से संबंधित किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।
 - 9) कालिदास अंततः किसके पास लौटता है और क्यों ?
 - 10) 'अंबिका' और 'प्रियंगुमंजरी' में कौन श्रेष्ठ है और क्यों ?
- II. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए:- (5X12=60M)
- 11) (क) 'आँसुओं की होली' कहानी का सार लिखते हुए मनहर के चरित्र पर टिप्पणी कीजिए।
अथवा
(ख) 'ममता' कहानी का सारांश लिखिये।
 - 12) (ग) 'आतिथ्य' कहानी में रामशरण को अपनी यात्रा में क्या-क्या अनुभव होते हैं?
अथवा
(घ) 'मवाली' कथित लड़के के जीवन तथा उसके साथ हुए व्यवहार पर टिप्पणी कीजिये।
 - 13) (क) 'चीफ की दावत' कहानी के आधार पर शामनाथ के व्यक्तित्व पर अपने विचार व्यक्त कीजिये।
अथवा
(ख) 'सोमा बुआ' तथा उसके पति के सामाजिक दृष्टिकोण में क्या अंतर था-स्पष्ट कीजिये।

Alumni
Dr. Sushama Dwivedi
Lecturer in Hindi
V.V. College

14) निम्नलिखित की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(2X6=12M)

(क) तुम उनके प्रति सदा अनुदार रही हो, माँ ! तुम जानती हो, उनका जीवन परिस्थितियों की कैसी विडम्बना में बीता है।

अथवा

(ख) मैं इस समय अपना तुम्हारे पास होना बहुत आवश्यक समझता हूँ, अम्बिका । मैं ये सब बातें तुमसे नहीं, उससे कहने आया हूँ।

(ग) नहीं, बैठना नहीं चाहती । तुम्हें और तुम्हारे घर को देखना चाहती हूँ। उन्होंने बहुत बार इस घर की ओर चर्चा की है।

अथवा


(घ) इस जीव को देखते हो पहचान सकते हो यह मल्लिका है जो धीरे-धीरे बड़ी हो रही है और माँ के स्थान पर अब मैं इसकी देखभाल करती हूँ।


15) निम्नलिखित पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए।


(2X6=12M)

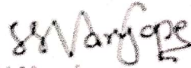
(क) कालिदास अथवा मल्लिका


(ख) प्रियंगुमंजरी अथवा विलोम


Chairman
Board of Studies
Dr. Prabhakar Tripathi


Member
Professor Sheela Mishra


Alumni
Dr. Sushama Dwivedi
Lecturer in Hindi
V.V. College


OU Nominee
Professor Shubhada Vanjape


Principal
Smt. Jyoti Hastak
Hindi Mahavidyalaya

HINDI MAHAVIDYALAYA

(Autonomous & NAAC - recognised)

Nalbanda, Hyderabad-44

2016-2017

DEPARTMENT OF HINDI
MODERN LANGUAGE HINDI

B.A. I Year

SEMESTER-II / PAPER -II

SYLLABUS

(सूत्र, शब्द, वाक्य, अर्थ, भाव, अर्थ और अर्थ)

नाम : प्रमोद कुमार
पता : दिल्ली

: प्रमोद कुमार ✓
 : प्रमोद कुमार

पता :

: प्रमोद कुमार, फ़ोन-6

पता : प्रमोद कुमार
Unit - I

: प्रमोद कुमार

1. शब्द का अर्थ
2. प्रमोद कुमार के बारे में

: प्रमोद कुमार
 : प्रमोद कुमार

Unit - II

3. शब्द का अर्थ
4. प्रमोद

: प्रमोद कुमार
 : प्रमोद कुमार

Unit - III

5. प्रमोद कुमार
6. प्रमोद कुमार का अर्थ

: प्रमोद कुमार
 : प्रमोद कुमार

Unit - IV

8. शब्द का अर्थ
9. सूत्र : प्रमोद कुमार का अर्थ
10. प्रमोद कुमार के अर्थ
11. प्रमोद कुमार का अर्थ

Unit - V

12. अर्थ का अर्थ

: प्रमोद कुमार

Chairman

Board of Studies
Dr. Prabhakar Tripathi

Member

Professor Sheela Mishra

Alumni

Dr. Sushama Dwivedi
Lecturer in Hindi
V.V. College

OU Nominee

Professor Shubhada Vanjape

Principal

Smt. Jyoti Hastak
Hindi Mahavidyalaya



HINDI MAHAVIDYALAYA

(Autonomous & NAAC - reaccredited)

Nalhabanda, Hyderabad-50

2016-2017

DEPARTMENT OF HINDI

I.A. I Year

SEMESTER II / Paper - II

Subject : Modern Language Hindi

Time : 3 hrs.

Max. Marks / 50

I. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए।

(10% 2-20%)

- 1) अपने देश में भ्रष्टाचार के उन्मूलन हेतु अन्ततः राजा क्या करना है?
- 2) क्या राजा का उपज धारण में सफल हो पाया था ?
- 3) सरकारों और निजी अस्पतालों पर लेखक ने क्या टिप्पणी की है?
- 4) महात्मा गांधी के चरित्र से संबंधित किन्हीं चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
- 5) दिवाकर कौन था और वह किस कारणों से अपने अद्यतन जीवन के उल्लेख कीजिए।
- 6) 'गणपति' पाठ के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है?
- 7) 'आंधियों का विद्रोह' उपन्यास में कौन, किसके विरुद्ध विद्रोह करता है और क्यों ?
- 8) देश की अन्ततः पठित उपन्यास में बिल-बिल चरतुओं का उपयोग करना बंद कर देना है और क्यों?
- 9) 'आंधियों का विद्रोह' उपन्यास के अंत में सरकार द्वारा लिए गये निर्णय से आप क्या समझते हैं?
- 10) पठित उपन्यास के आधार पर देश की सरकार तथा प्रशासन प्रणाली पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

II. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :-

(5 X 12 = 60%)

1) निम्नलिखित की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(क) 'राजा को वह सुझाव पसंद आया। राज्य को तर्कसंगत बनाने का देना मैं ज़्यादा प्यारा।'

अथवा

(ख) 'एक ऐतिहासिक अस्पताल में कोई देवा कभी नहीं मिलती। लोगों लोगों की मर्जीयों होने के अभाव में एंगल रे से लेकर टोड डेस्ट तक सारे पेशेवाजिकता डेस्ट प्रसिद्ध संस्कारों के अन्तर्गत करने हैं।'

12) (ग) 'महात्मा गांधी के नाम का ऐसा आदू था कि मैंने पत्र-संघ अन्तर्गत एडर लेखा, प्रकाश पत्रिकाओं में जाकर भीत गाये, चर्चा चलाना।'

अथवा

(घ) 'नहीं, मैं समझता हूँ मर्दाने भर से भरो फर्ती की आँसूओं पर अपने फर्ती की तरह अपना बलना है।'

(क) पठित साहित्य 'एक बड़े अस्पताल के बारे में' के आधार पर देश के अस्पतालों तथा संस्कारों के संघर्ष में अपना मत प्रकट कीजिए।

अथवा

(ख) 'गणपति' पाठ का संक्षेप अपने शब्दों में लिखिए।

Dr. Sushama Dwivedi

Alumni

Dr. Sushama Dwivedi

Lecturer in Hindi

V.V. College

13) निम्नलिखित की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(2X6=12M)

(क) 'बैं धोबी हूँ' पाठ का सारांश लिखिए।

अथवा

(ख) 'जमानोत्री की यात्रा' में लेखक को किस प्रकार की कठिनाइयों एवं कष्टों का सामना करना पड़ा।

14) निम्नलिखित की परिभाषा एवं विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(2X6=12M)

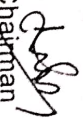
(क) व्यंग्य अथवा संस्मरण


(ख) उपन्यास अथवा एकांकी

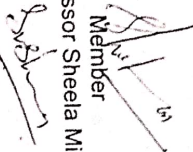
15) (क) 'आश्रितो का विद्रोह' उपन्यास का सारांश लिखते हुए उसमें उठाई गई विभिन्न समस्याओं पर प्रकाश जालिए।

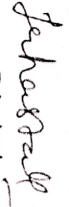
अथवा


(ख) पठित उपन्यास को केंद्र में रखकर बताइए कि देश की जनता अपनी सरकार से वस्तुतः किस प्रकार की अपेक्षाएँ रखती है ?


Chairman
Board of Studies
Dr. Prabhakar Tripathi


OU Nominee
Professor Shubhada Vanjape


Member
Professor Sheela Mishra


Principal
Smt. Jyoti Hashtak
Hindi Mahavidyalaya


Alumni
Dr. Sushama Dwivedi
Lecturer in Hindi
V.V. College

(स्थापन एवं राष्ट्रिय मूल्यांकन एवं प्रत्यापन परिषद् - प्रस्तावित)

नल्लापुटा, हैदराबाद-४४

हिन्दी विभाग के पाठ्यक्रम बोर्ड की बैठक

कार्यवृत्त

हिन्दी महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के पाठ्यक्रम बोर्ड की बैठक दिनांक ५ अक्टूबर २०१६ को ११.०० बजे संपन्न हुई। उक्त बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे।

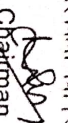
१) डॉ. प्रभाकर त्रिपाठी	अध्यक्ष - पाठ्यक्रम बोर्ड
२) प्रा. भूमिका बात्राय	उपसमितिया विभागाध्यक्ष प्रतिनिधि
३) प्रा. शंतिा मिश्र	सदस्य
४) डॉ. रजनी धारी	सदस्य
५) डॉ. अनिलक प्रताप सिंह	सदस्य
६) डॉ. विजय कुमार प्रसाद	सदस्य
७) डॉ. निहारि हिन्द	सदस्य
८) डॉ. सुषमा द्विवेदी	पूर्व छात्र

बैठक में संस्थापक पाठ्यक्रम बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. प्रभाकर त्रिपाठी ने सभी उपस्थित परामर्शकारियों एवं सदस्यों का औपचारिक स्वागत किया। उन्होंने सभी सदस्यों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रस्तावित एवं अनुमोदित तथा उनसे संबद्ध महत्वपूर्ण तथ्यों से अवगत कराया। डॉ. त्रिपाठी ने यह गुणवत्ता भी दी कि वर्ष २०१६-१७ में केवल स्थापन महाविद्यालयों में ही नहीं बल्कि सभी संसेक्टर प्रशासकी आचारण में लागू होगी। इस क्रम में उक्त शिभा परिषद् तथा उम्मीदिया विश्वविद्यालय के प्रयत्नों से सभी संकायों के विद्यमान पाठ्यक्रम पर पुनर्विचार किया गया तथा नये मुद्दों के अलावा में नई पुस्तकों का निर्माण किया गया। इस भूमिका के परभाव डॉ. त्रिपाठी ने सदस्यों को द्वितीय भाग हिन्दी प्रथम वर्ष के निम्नित विशेष रूप से प्रस्तावित गद्य दर्पण तथा कथा सिंधु-शैर्षकीय पुस्तकों का उल्लेख किया। उन्होंने सदस्यों को बताया कि यह पुस्तक विद्वान प्राध्यापकों के सम्मिलित प्रयत्नों का प्रतिफल है। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि महाविद्यालय का हिन्दी विभाग इस प्रयत्न की स्तुति करता है तथा बिना किसी परिवर्तन के दोनों सेमेस्टरों के लिए उम्मीदिया विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पाठ्यक्रम बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम तथा किचित् परिवर्तन के साथ प्रस्तार के प्राहय को भी स्वीकार करता है।

बैठक में ऐच्छिक हिन्दी के पाठ्यक्रम पर भी विस्तृत चर्चा हुई। डॉ. त्रिपाठी ने जानकारों दी कि संभ्रति नगर में केवल हिन्दी महाविद्यालय में ही ऐच्छिक हिन्दी का अध्ययन-अध्यापन हो रहा है। उन्होंने कहा कि सी.बी.सी.एन. ऐच्छिक हिन्दी पर भी तत्पु किया जायेगा। उन्होंने बताया कि गद्य पुस्तकालय, आषाढ का एक दिन (नाटक) तथा आदिमों का विद्रोह (उपन्यास) नामक तीन पुस्तकें डॉ. ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिये ऐच्छिक हिन्दी के अन्तर्गत निर्धारित की गई हैं तथा गल ५ वर्षों से पढाई जा रही है। उनका पुस्तक-त्रय श्रेष्ठ एवं अप्रतिम है अतः उन्हीं को जारी रखा जाएगा किन्तु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अद्यतन नियमों और प्रस्तावों को दृष्टिगत रखकर प्रस्तार का प्राहय इस वर्ष से तदनुसार निर्मित किया जायेगा।

बैठक के सभी सदस्यों ने उक्त निर्णय का सर्वसम्मति से समर्थन किया। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि विद्यार्थी प्रत्येक वर्ष दो सेमेस्टर की परीक्षाएँ लियेंगे तथा प्रत्येक सेमेस्टर में १५ अंकों के दो इंटरनल असेसमेंट होंगे, जिनके औसत अंक निर्णायक परीक्षा के प्राप्तांकों में जोड़े जायेंगे। उक्त के साथ-साथ विद्यार्थियों को ५ अंकों का एक असाइनमेंट (गृहकार्य) भी दिया जाएगा, जिसके अंक भी विद्यार्थियों के उक्त प्राप्तांकों में युक्त होंगे। दोनों ही इंटरनल असेसमेंट लिखना अनिवार्य होगा। प्रत्येक सेमेस्टर की निर्णायक परीक्षा ८० अंकों की होगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रत्येक सप्ताह द्वितीय भाग एवं ऐच्छिक हिन्दी की अब से पांच-पांच कक्षाएँ होंगी तथा दोनों के ५-५ क्रेडिट्स रहेंगे। कम से कम ६० कक्षाओं में प्रत्येक विषय का पाठ्यक्रम पूर्ण किया जायेगा।

बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा इंटरनल असेसमेंट के लिये प्रस्तावित प्रश्न पत्र के प्राहय को भी बिना किसी परिवर्तन के स्वीकार किया गया। डॉ. रजनीधारी ने बैठक के अंत में सबके प्रति आभार व्यक्त किया।

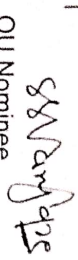

Chairman

Board of Studies

Dr. Prabhakar Tripathi

Member

Professor Sheela Mishra


OU Nominee

Professor Shubhada Vanjape


Principal

Smt. Jyoti Hastak

Hindi Mahavidyalaya

Alumni

Dr. Sushama Dwivedi

Lecturer in Hindi

V.V. College